

(ख) मेहतारों तथा सफाई करने वालों की भावास आवश्यकता का कहां तक ध्यान रखा जायेगा ?

वाणिज्य मंत्री (श्री करभरकर) (क) स्थानीय निकायों को ऋण देन क लिये राज्य सरकारों को विशेष रकमों की मंजूरी नहीं दी गई है। यदि कोई राज्य सरकार चाहे तो वह केन्द्रीय सरकार से कर्ज में मिली हुई रकम का चौथाई भाग तक स्थानीय निकायों को कर्ज दे सकती है। सभा की मेज पर एक विवरण रक्खा हुआ है [द्वैविधे परिशिष्ट १, अनुबंध संख्या ५४] जिससे यह मालूम होगा कि अब तक २४ राज्य सरकारों क लिये कितने कर्ज की मंजूरी दी गई है और उसमें से वे कितनी रकम स्थानीय निकायों को कर्ज दना चाहती है।

(ख) स्थानीय निकायें जब योजना के अनुसार अपने कम अमदनी वाले कर्म-चारियों के लिये भ्रमण बनायेंगी तो वे निस्सन्देह मेहतारों तथा सफाई करने वालों की आवश्यकताओं का ध्यान रखेंगी।

अम्बर चर्ला

द१. श्री नवल प्रभाकर : क्या उत्पादन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि अखिल भारतीय खादी तथा प्रामोद्योग बोर्ड 'अम्बर चर्ला' चालू करना चाहता है; और

(ख) यदि हां, तो साधारण चर्लों की अपेक्षा इसकी क्या विशेषतायें हैं ?

उत्पादन मंत्री (श्री कं० ली० रेंडडी) :

(क) जी, हां।

(ख) एक विवरण सभा पटल पर रखा जाता है। [द्वैविधे परिशिष्ट १, अनुबंध संख्या ५५.]

Cloth Export

82. **Shri Ibrahim:** Will the Minister of Commerce and Industry be pleased to state:

(a) the quantities of mill-made and handloom cloth exported under trade pacts for purchase of food and other essential goods and for other reasons during 1954; and

(b) the total commitment for export during the above period?

The Minister of Commerce and Industry and Iron and Steel (Shri T. T. Krishnamachari) : (a) and (b). The Government of India's trade agree-

ments with certain countries during 1954 provided for the export *inter alia* of cloth from India and the import of certain food items and other essential commodities. There were, however, no firm commitments in the nature of a barter agreement as to the quantities of cloth to be exported loom cotton cloth exported to these countries during 1954 was 106 million yards.

Machine Tools

83. **Shri Ibrahim:** Will the Minister of Commerce and Industry be pleased to state the production of machine tools in the country during 1954 and the corresponding figure in 1947?

The Minister of Commerce and Industry and Iron and Steel (Shri T. T. Krishnamachari) : A statement giving the information is attached. [See Appendix I, annexure No. 56].

Community Projects

84. **Shri Gadilingana Gowd:** Will the Minister of Planning be pleased to state:

(a) the amount sanctioned for the two Community Projects in Andhra State and the amount actually spent by them so far;

(b) whether the work is progressing according to schedule; and

(c) if not, the reasons therefor?

The Deputy Minister of Planning (Shri S. N. Mishra) : (a) The amount approved for a period of four years is Rs. 130 lakhs and the amount spent upto 31-3-1955 is Rs. 30.6 lakhs.

(b) and (c). The progress is considered fairly satisfactory.

भारत में भूतपूर्व फ्रांसीसी बस्तियां

द५. **शेठ गोविन्द दास :** क्या प्रधान-मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि भारत में भूतपूर्व फ्रांसीसी बस्तियों के आयात एवं निर्यात की मात्रा क्रमशः १९५३-५४ तथा १९५४-५५ में क्या रही ?

प्रधान मंत्री तथा वैदेशिक कार्य मंत्री (श्री जवाहरलाल नेहरू) :

वर्ष	आयात	निर्यात
१९५३-५४	१३,०५६ टन	८,६९५ टन
१९५४-५५	१३,४५१ टन	८,०७० टन

Compensation to Displaced Persons

86. **Shri B. K. Das:** Will the Minister of Rehabilitation be pleased to state:

(a) whether there are any displaced persons who fall outside the compensation scheme but whose maintenance allowances are to be continued; and

(b) if so, their number and the estimated annual amount involved in their cases?

The Minister of Rehabilitation (Shri Mehr Chand Khanna): (a) No.

(b) Does not arise.

स्वात समकारी निधि

८७. श्री के० सी० लोचिया : क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(ग) स्वात समकारी निधि की स्थापना कब हुई थी;

(ख) इस निधि में कुल कितना धन जमा है; और

(ग) १९५१-५२, १९५२-५३, १९५३-५४ तथा १९५४-५५ में इस निधि में जमा किये गये तथा खर्च किये गये धन का ब्योरा क्या है ?

वाणिज्य और उद्योग तथा लोहा और स्वात मंत्री (श्री टी० टी० कृष्णमाचारी):

(क) १ फरवरी, १९५३।

(ख) ४६,१४,९५,८१५ रु० ३१ मार्च, १९५५ तक।

(ग) एक विवरण संलग्न है। [वेचिये परिशिष्ट १, अनुबन्ध संख्या ४७].

आकाशवाणी की पत्रिकायें

८८. श्री अमर सिंह डामर : क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या आकाशवाणी द्वारा प्रकाशित पत्रिकाओं में कोई विज्ञापन छपते हैं; और

(ख) यदि हां, तो प्रत्येक से औसतन मासिक आय क्या है ?

सूचना और प्रसारण मंत्री (डा० केसकर): (क) जी हां, अखिल भारतीय रेडियो के देशी कार्यक्रम पत्रिकाओं में विज्ञापन छपते हैं।

(ख) सूचना एकत्र की जा रही है और लोक सभा के भेज पर रख दी जायेगी।

Housing Schemes

89. Shri H. N. Mukerjee: Will the Minister of Works, Housing and Supply be pleased to state:

(a) the total amount provided for expenditure on Housing schemes of different categories in the First Five Year Plan period;

(b) the amount spent on that account up-to-date; and

(c) the steps taken or proposed to be taken for preventing lapse of amounts provided for this purpose?

The Minister of Commerce (Shri Karmarkar): (a) The total provision for Housing Schemes in the First Five year Plan is Rs. 38.5 crores. The plan does not indicate a distribution of this amount among different categories of Housing.

(b) The assistance sanctioned upto the end of June, 1955 amounts to over Rs. 39 crores. The actual disbursements made, however, amount to about Rs. 12.1 crores, as payments under the Subsidised Industrial Housing and Low-Income Group Housing Schemes are related to progress of construction.

(c) The State Governments have been requested to speed up implementation of their housing programmes so that as large a portion of the sanctioned amount as possible (upto a maximum of Rs. 38.5 Crores) could be actually disbursed to and utilised by them before the end of March, 1956.

कुटीर तथा दस्तकारी उद्योग

९०. श्री लक्ष्मीधर जेना : क्या उत्पादन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि कुटीर तथा दस्तकारी उद्योगों के विकास के लिये विभिन्न राज्यों को १९५२-५३ से १९५५-५६ तक कितना धन अनुदान तथा ऋण के रूप में अब तक दिया गया है ?

उत्पादन मंत्री (श्री क० सी० रेडडी):

जहां तक रेशम, दस्तकारी, खादी तथा ग्रामोद्योग का सम्बन्ध है एक विवरण सभा की टेबल पर रखा जा रहा है। [वेचिये परिशिष्ट १, अनुबन्ध संख्या ५८]